समास

समास :- दो या दो से अधिक शब्दों के मेल से नए शब्द बनने की क्रिया को समास कहते हैं। इस प्रकार बने शब्दों को समस्त पद कहते हैं।

जब समस्त पदों को शब्द व कारक की विभक्तियाँ लगाकर अलग किया जाता है, इस प्रक्रिया को समास विग्रह कहते हैं।

पद	समस्त पद	समास विग्रह
गंगा+जल	गंगाजल	गंगा का जल
देश+भक्ति	देशभक्ति	देश के लिए भक्ति
सिर+दर्द	सिरदर्द	सिर में दर्द
मन+माना	मनमाना	मन से माना

समास के भेद :- समास के 6 भेद होते हैं :-

1. अव्ययीभाव समास
2. द्वंद्व समास
3. द्विगु समास
4. कर्मधारय समास
5. बहुव्रीहि समास
6. तत्पुरुष समास

VASUNDHARAHINDI.COM

1. अव्ययीभाव समास :- इस समास में एक पद अव्ययी होता है तथा भाववाचक संज्ञा होता है। पुनरुक्त शब्द भी अव्ययीभाव समास होते हैं।

समस्त पद	समास विग्रह
आजीवन	जीवन भर
आमरण	मरण तक
प्रतिदिन	हर दिन
प्रतिवर्ष	हर वर्ष
बेखटके	बिना खटके के
भरपेट	पेट भर के
यथाशक्ति	शक्ति के अनुसार
यथामति	मति के अनुसार
यथाविधि	विधि के अनुसार
यथासमय	समय पर
रातोंरात	रात ही रात में
गली-गली	हर गली
साफ-साफ	बिल्कुल साफ
हाथों हाथ	हाथ ही हाथ में
कोटि-कोटि	कोटि बार
दिन-दिन	हर दिन

VASUNDHARAHINDI.COM

2. द्वंद्व समास :- द्वंद्व समास में पूर्व पद और उत्तर पद दोनों ही समान महत्त्व के होते हैं।

द्वंद्व समास का विग्रह करने पर "और" / "तथा" लगाया जाता है। इस समास में अधिकतर शब्द विलोम शब्द होते हैं।

समस्त पद	समास विग्रह
अपना-पराया	अपना और पराया
आशा-निराशा	आशा और निराशा
घी-शक्कर	घी और शक्कर
जल-वायु	जल और वायु
देश-विदेश	देश और विदेश
पाप-पुण्य	पाप और पुण्य
भला-बुरा	भला और बुरा
सीता-राम	सीता और राम
हानि-लाभ	हानि और लाभ
भीमार्जुन	भीम और अर्जुन
धर्माधर्म	धर्म और अधर्म

VASUNDHARAHINDI.COM

3. द्विगु समास :- द्विगु समास में एक पद संख्यावाची होता है और वही पद प्रधान होता है।

द्विगु समास का समास विग्रह करते समय "समाहार" लगाते हैं।

समस्त पद	समास विग्रह
अष्टसिद्धि	आठ सिद्धियों का समाहार
चौमासा	चार मासों का समारोह
त्रिफला	तीन फलों का समाहार
तिरंगा	तीन रंगों का समाहार
दोपहर	दो पहरों का समाहार
पंचवटी	पाँच वटों का समाहार
षड्यंत्र	छः रसों का समाहार
सप्ताह	सात दिनों का समाहार
नवनिधि	नौ निधियों का समाहार
नवरत्न	नौ रत्नों का समाहार
शताब्दी	शत आब्दियों का समाहार
वर्ष	बारह महीनों का समाहार
चवन्नी	चार आनों का समाहार
पखवाड़ा	पंद्रह दिनों का समाहार

VASUNDHARAHINDI.COM

4. कर्मधारय समास :- कर्मधारय समास में विशेषण और विशेष्य का तथा उपमेय और उपमान का संबंध होता है।

विशेषण-विशेष्य कर्मधारय समास :

समस्त पद	समास विग्रह
नीलगाय	नीली है गाय जो
पीतांबर	पीला है अंबर जो
प्रधानाध्यापक	प्रधान है अध्यापक जो
महाजन	महान है जो जन
महापुरुष	महान है जो पुरुष
महादेव	महान है जो देव

उपमेय-उपमान कर्मधारय समास :

समस्त पद	समास विग्रह
कनकलता	कनक के समान लता
कमलनयन	कमल के समान नयन
क्रोधाग्नि	क्रोध रूपी अग्नि
चंद्रमुख	चंद्र के समान मुख
प्राणप्रिय	प्राण के समान प्रिय
वचनामृत	अमृत रूपी वचन
नरसिंह	सिंह के समान नर

VASUNDHARAHINDI.COM

5. **बहुब्रीहि समास :- बहुब्रीहि समास में न पूर्व पद प्रधान होता है और न उत्तर पद, अपितु एक तीसरा पद प्रधान होता है। समास विग्रह करने पर एक प्रश्न उत्पन्न होता है तथा उस प्रश्न का उत्तर ही तीसरा पद है।**

समस्त पद	समास विग्रह	तीसरा पद
चक्रपाणि	चक्र है जिसके हाथ में	विष्णु / कृष्ण
चतुर्भुज	चार हैं भुजाएँ जिसकी	विष्णु
चतुर्मुख	चार हैं मुख जिसके	ब्रहमा
त्रिलोचन	तीन हैं लोचन (आँख) जिसकी	शिव
दशानन	दस हैं मुख जिसके	रावण
श्वेतांबरा	श्वेत है अंबर जिसका	सरस्वती
नीलकंठ	नीला है कंठ जिसका	शिव
पीतांबर	पीला है अंबर जिसका	कृष्ण

VASUNDHARAHINDI.COM

6. तत्पुरुष समास :- तत्पुरुष समास में कारक की विभक्तियों का लोप होता है। कभी-कभी एक से अधिक पदों का लोप भी होता है।

तत्पुरुष समास के 8 भेद हैं :-

1) कर्म तत्पुरुष समास :- कर्म तत्पुरुष समास में कर्म कारक की विभक्ति "को" का लोप होता है।

समस्त पद	समास विग्रह
ग्रामगत	ग्राम को गत
गृहागत	गृह को आया हुआ
परलोकगमन	परलोक को गमन
मरणासन्न	मरण को आसन्न
यशप्राप्त	यश को प्राप्त

2) करण तत्पुरुष समास :- करण तत्पुरुष समास में करण कारक की विभक्ति "से, के द्वारा" का लोप होता है।

समस्त पद	समास विग्रह
अकालपीड़ित	अकाल से पीड़ित
गुरुदत्त	गुरु द्वारा दत्त
भयाकुल	भय से आकुल
मनमाना	मन से माना
रोगग्रस्त	रोग से ग्रस्त
रेखांकित	रेखा से अंकित
सूररचित	सूर द्वारा रचित
स्वरचित	स्व द्वारा रचित

VASUNDHARAHINDI.COM

3) संप्रदान तत्पुरुष समास :- संप्रदान तत्पुरुष समास में संप्रदान कारक की विभक्ति "के लिए" का लोप होता है।

समस्त पद	समास विग्रह
आरामकुर्सी	आराम के लिए कुर्सी
गुरुदक्षिणा	गुरु के लिए दक्षिणा
डाकगाड़ी	डाक के लिए गाड़ी
देशभक्ति	देश के लिए भक्ति
प्रयोगशाला	प्रयोग के लिए शाला
सत्याग्रह	सत्य के लिए आग्रह
यज्ञशाला	यज्ञ के लिए शाला
युद्धभूमि	युद्ध के लिए भूमि

4) अपादान तत्पुरुष समास :- अपादान तत्पुरुष समास में अपादान की विभक्ति "से (अलग होने के भाव में)" का लोप होता है।

समस्त पद	समास विग्रह
ऋणमुक्त	ऋण से मुक्त
गुणहीन	गुण से हीन
देशनिकाला	देश से निकाला
धर्मभ्रष्ट	धर्म से भ्रष्ट
भयमुक्त	भय से मुक्त
रोगमुक्त	रोग से मुक्त

VASUNDHARAHINDI.COM

5) संबंध तत्पुरुष समास :- संबंध तत्पुरुष समास में संबंध कारक की विभक्ति "का, के, की" का लोप होता है।

समस्त पद	समास विग्रह
अमृतधारा	अमृत की धारा
आज्ञानुसार	आज्ञा के अनुसार
गृहस्वामी	गृह का स्वामी
जलप्रवाह	जल का प्रवाह
देशरक्षा	देश की रक्षा
मृत्युदंड	मृत्यु का दंड
लखपति	लाखों का पति
राजपुरुष	राजा का पुरुष
राजमाता	राजा की माता

6) अधिकरण तत्पुरुष समास :- अधिकरण तत्पुरुष समास में अधिकरण कारक की विभक्ति "में, पर" का लोप होता है।

समस्त पद	समास विग्रह
आत्मविश्वास	आत्म पर विश्वास
सिरदर्द	सिर में दर्द
घुड़सवार	घोड़े पर सवार
डिब्बाबंद	डिब्बे में बंद
दानवीर	दान में वीर
नीतिनिपुण	नीति में निपुण
शरणागत	शरण में आगत

VASUNDHARAHINDI.COM

7) मध्यपद लोप तत्पुरुष समास :- मध्यपद लोपी तत्पुरुष समास में एक से अधिक पदों का लोप होता है। समास विग्रह करने पर पूरा एक वाक्य बनता है।

समस्त पद	समास विग्रह
अश्रुगैस	आँसु (अश्रु) लाने वाली गैस
गोबरगणेश	गोबर का बना हुआ गणेश
पनचक्की	पानी से चलने वाली चक्की
दहीबड़ा	दही में डूबा हुआ बड़ा
पर्णकुटी	पर्ण (पत्तों) से बनी कुटी
बैलगाड़ी	बैल से खींची जाने वाली गाड़ी
मधुमक्खी	मधु का संचयन करने वाली मक्खी
मालगाड़ी	माल ले जाने वाली गाड़ी
रेलगाड़ी	रेल (पटरी) पर चलने वाली गाड़ी
वनमानुष	वन में रहने वाला मानुष (मनुष्य)

VASUNDHARAHINDI.COM

8) नत्र तत्पुरुष समास :- नत्र तत्पुरुष समास में एक पद नकारात्मक होता है।

समस्त पद	समास विग्रह
अजर	न जर
अधीर	न धीर
अधर्म	न धर्म
अनचाही	न चाही
अनदेखी	न देखी
अनश्वर	न नश्वर
अनाथ	न नाथ
अन्याय	न न्याय
अमर	न मर
अस्थिर	न स्थिर

VASUNDHARAHINDI.COM

अभ्यास

प्रश्न 1) निम्नलिखित समस्त पदों का समास विग्रह करें व समास का नाम भी लिखिए।

	समस्त पद	समास विग्रह	समास
1.	स्वर्गगत्त	स्वर्ग को गत	कर्म तत्पुरुष समास
2.	डाकगाड़ी	डाक के लिए गाड़ी	संप्रदान तत्पुरुष समास
3.	तुलसीकृत	तुलसी द्वारा कृत	करण तत्पुरुष समास
4.	उद्योगपति	उद्योग का पति	संबंध तत्पुरुष समास
5.	धनहीन	धन से हीन	अपादान तत्पुरुष समास
6.	ग्रामवास	ग्राम में वास	अधिकरण तत्पुरुष समास
7.	पवनचक्की	पवन से चलने वाली चक्की	मध्यपद लोपी तत्पुरुष समास
8.	असत्य	न सत्य	नत्र तत्पुरुष समास
9.	नीलकमल	नीला है कमल जो	कर्मधारय समास
10.	वचनामृत	अमृत के समान वचन	कर्मधारय समास
11.	सतसई	सात सौ का समाहार	द्विगु समास
12.	गंगाधर	गंगा को धारण किया है जिसने अर्थात् शिव	बहुब्रीहि समास
13.	यशअपयश	यश और अपयश	द्वंद्व समास
14.	प्रतिदिन	हर दिन	अव्ययीभाव समास
15.	साफ-साफ	बिल्कुल साफ	अव्ययीभाव समास

VASUNDHARAHINDI.COM

प्रश्न 2) निम्नलिखित के समस्त पद बनाइए और समास का नाम भी लिखिए।

	समास विग्रह	समस्त पद	समास
1.	बिना काम के	बेकार	अव्ययीभाव समास
2.	नर और नारी	नर-नारी	द्वंद्व समास
3.	लंबा है उदर जिसका अर्थात गणेश	लंबोदर	बहुव्रीहि समास
4.	तीन फलों का समाहार	त्रिफला	द्विगु समास
5.	पाँच तंत्रों का समाहार	पंचतंत्र	द्विगु समास
6.	दंड के समान भुजा	भुजदंड	कर्मधारय समास
7.	लाल टोपी है जो	लालटोपी	कर्मधारय समास
8.	न इच्छा	अनिच्छा	नञ तत्पुरुष समास
9.	वन में रहने वाला मनुष्य	वनमानुष	मध्यपद लोपी तत्पुरुष समास
10.	युद्ध में वीर	युद्धवीर	अधिकरण तत्पुरुष समास
11.	भारत का रत्न	भारतरत्न	संबंध तत्पुरुष समास
12.	गुण से हीन	गुणहीन	अपादान तत्पुरुष समास
13.	हवन के लिए सामग्री	हवनसामग्री	संप्रदान तत्पुरुष समास
14.	हस्त द्वारा लिखित	हस्तलिखित	करण तत्पुरुष समास
15.	यश को प्राप्त	यशप्राप्त	कर्म तत्पुरुष समास

*****

VASUNDHARAHINDI.COM